CLASSTIME Page No.
Date / /

पाठ-1

VI

संज्ञा–
किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे-बाल:

लिंग–
संस्कृत में लिंग तीन प्रकार के होते हैं।
1. पुल्लिंगम्
2. स्त्रीलिंगम्
3. नपुंसकलिंगम्

वचन –
संस्कृत में वचन तीन प्रकार के होते हैं।
1. एकवचनम्
2. द्विवचनम्
3. बहुवचनम्

वर्ण-विच्छेद –
किसी पद मे प्रयुक्त वर्णों को अलग-2 लिखने की प्रक्रिया वर्ण-विच्छेद कहलाती है।

उदा० - गजा: = ग् + अ + ज् + आ:

वर्ण - संयोजन –
कई वर्णों को जोड़कर एक पद बनाने की प्रक्रिया को वर्ण-संयोजन कहते हैं।

उदाहरण –

न् + औ + क् + आ = नौका

CLASSTIME | Page No.
Date / /

अभ्यास

प्रश्न- वर्ण-संयोजनं कुरुत।

श् + उ + क् + अ + ः = शुकः

प् + उ + ष् + प् + अ + म् = पुष्पम्

अ + श् + व् + औ = अश्वौ

न् + औ + क् + आ = नौका

प् + उ + स् + त् + अ + क् + ए = पुस्तके

प्रश्न- वर्ण-विच्छेदं कुरुत।

फलानि – फ् + अ + ल् + आ + न् + इ

नौके – न् + औ + क् + ए

महिला – म् + अ + ह् + इ + ल् + आ

वृक्षौ – व् + ऋ + क् + ष् + औ

घटाः – घ् + अ + ट् + आः

पुष्पाणि – प् + उ + ष् + प् + आ + ण् + इ

Scanned with CamScanner